Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
~~Darbhanga~~
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date-25-9-20
To Next class

Models of Psychology

Psychopathalogies of Everyday Life
दैनिक जीवन में मनोविकृतियाँ

(6) वस्तुओं को गलत स्थान पर रखना (Mis-laying of objects) :- अक्सर देखा गया है कि हम वस्तुओं जैसे चाभी, महत्वपूर्ण कागज, रुमाल, कलम, डायरी आदि को इधर उधर रख देते हैं, समय पर जब उन्हें ढूंढते हैं तो वह वस्तु नही मिलती है। दैनिक जीवन में इन भूलों के पिछे अचेतन की दमित इच्छाएं सक्रिय होती हैं। फ्रायड के अनुसार वस्तुओं को इधर-उधर रखकर उसके बारे में भूल जाने से यह संकेत मिलता है कि व्यक्ति को उस वस्तु को अपने सामने से हटा देने की प्रवृति अधिक होती है क्योंकि ऐसा कर देने से उनकी कोई समस्या या उलझन का समाधान हो जाता है। अर्नेस्ट जोन्स (Jones) ने इस संबंध में एक काफी रोचक उदाहरण दिया है। उसने लिखा है कि जब उन्हें अधिक खाँसी आती है तो वे अपनी धूम्रपान- नलिका (Smoking-pipe) को भूल से गलत स्थान पर रख देते थे और काफी प्रयास के बावजूद भी वे उसका खोज नहीं कर पाते थे। परन्तु जब खाँसी समाप्त हो जाती थी तो धूम्रपान नलिका अतिशिघ्र मिल जाती थी। उसी तरह ब्रिल (Brill) ने भी एक रोचक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

P.T.O.

एक व्यक्ति एक जन्म दिन महोत्सव में अपनी इच्छा के विपरीत तथा अपनी पत्नी के दबाव के कारण जाने को तैयार हुआ जब वे उत्सव के अनुकूल कपड़े पहनने के लिए बक्सा खोलने के लिए गया तो चाभी नहीं मिली। काफी प्रयास के बावजूद भी चाभी नहीं मिली। दूसरे दिन सुबह जब उन्होंने ताला तोड़ा तो पाया की चाबी बक्स के अन्दर थी विश्लेषण करने पर ज्ञात हुआ की अपने अचेतन की दमित इच्छाओं (उत्सव में न जाने की इच्छा) के कारण उसने कुछ समय पूर्व ही चाबी बक्से में रखकर ताला बन्द कर दिया था।

Next class